

Total Pages : 5

Roll. No. :

Examination Session June-2022

(First Semester)

DCH-101

Diploma in Commercial Horticulture (DCH)

[Basic Principle of Horticulture]

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 50

Note : This paper is of Fifty (50) marks divided into two (02) Section A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र पचास (50) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

DCH-101/5

(1)

[P.T.O.]

SECTION—A

खण्ड—क

(Long-Answer-Type Questions)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of Thirteen (13) marks each. Learners are required to answer any two (02) questions only. $2 \times 13 = 26$

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए तेरह (13) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Define horticulture and describe the importance of fruit production in India.

उद्यान विज्ञान को परिभाषित कीजिए तथा भारत में फलोत्पादन के महत्व का वर्णन कीजिए।

DCH-101/5

(2)

3. Discuss the advantages and disadvantages of propagation by seed and vegetative methods.

बीज तथा वानस्पतिक विधियों द्वारा प्रसारण के लाभ एवं हानियों की विवेचना कीजिए।

4. What are buds ? Describe the different methods of budding with diagrams.

कलिकायन क्या है ? कलिकायन की विभिन्न विधियों का चित्र सहित वर्णन कीजिए।

5. Describe the principle of pruning.

प्रूनिंग के नियम का वर्णन कीजिए।

6. Explain the difference between inching and grafting.

इनचिंग तथा ग्राफ्टिंग में अंतर स्पष्ट कीजिए।

7. Describe the factors which affect the root formation.

जड़ निर्माण को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।

8. Mention the methods of layering in brief.

लेयरिंग की विधियों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

DCH-101/5

(5)

2. Describe the present status and future of fruit production in India.

भारत में फल उत्पादन की वर्तमान स्थिति और भविष्य का वर्णन कीजिए।

3. Describe the present status and future of vegetable production in India.

भारत में सब्जी उत्पादन की वर्तमान स्थिति और भविष्य का वर्णन करें।

4. Describe the different methods of irrigation with diagram.

सिंचाई की विभिन्न विधियों का चित्र सहित वर्णन कीजिए।

5. Write in detail about Religious and sacred value plants.

धार्मिक और पवित्र मूल्य वाले पौधों के बारे में विस्तार से लिखें।

2. Describe the present status and future of fruit production in India.

भारत में फल उत्पादन की वर्तमान स्थिति और भविष्य का वर्णन कीजिए।

3. Describe the present status and future of vegetable production in India.

भारत में सब्जी उत्पादन की वर्तमान स्थिति और भविष्य का वर्णन करें।

4. Describe the different methods of irrigation with diagram.

सिंचाई की विभिन्न विधियों का चित्र सहित वर्णन कीजिए।

5. Write in detail about Religious and sacred value plants.

धार्मिक और पवित्र मूल्य वाले पौधों के बारे में विस्तार से लिखें।

SECTION—B

खण्ड—ख

(Short-Answer-Type Questions)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'B' contains eight (08) short-answer-type questions of Six (06) marks each. Learners are required to answer any four (04) questions only. $4 \times 6 = 24$

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छः (06) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the rules of watering and pruning fruit trees.

फल वृक्षों को पानी देने एवं कृन्तन के नियम बताइए।

2. Describe the importance of rejuvenation.

जीर्णोद्धार के महत्व का वर्णन कीजिए।

DCH-101/5

(4)

SECTION—B

खण्ड—ख

(Short-Answer-Type Questions)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'B' contains eight (08) short-answer-type questions of Six (06) marks each. Learners are required to answer any four (04) questions only. $4 \times 6 = 24$

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छः (06) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the rules of watering and pruning fruit trees.

फल वृक्षों को पानी देने एवं कृन्तन के नियम बताइए।

2. Describe the importance of rejuvenation.

जीर्णोद्धार के महत्व का वर्णन कीजिए।

DCH-101/5

(4)